प्रधानमंत्री ने केन-बेतवा परियोजना की आधारशिला रखी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने मध्य प्रदेश के खजुराहो में **केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना** की आधारशिला रखी।

- यह **राष्ट्रीय नदी जोड़ो नीति** के तहत **पहली ऐसी पहल है।**

मुख्य बिंदु

- **केन-बेतवा लिंक परियोजना:**
  - इस परियोजना का उद्देश्य मध्य प्रदेश के 44 लाख और उत्तर प्रदेश के 21 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध कराना है।
  - **2,000 गाँवों के 7.18 लाख किसान परिवारों को उन्नत सिंचाई सुविधा** का लाभ मिलेगा।
  - इस परियोजना से **103 मेगावाट जल विद्युत** और **27 मेगावाट सौर ऊर्जा** उत्पन्न होगी।
  - यह परियोजना केंद्र सरकार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच सहयोग का प्रतीक है, जो दिवंगत प्रधानमंत्री **अटल बिहारी वाजपेयी** के नदी-जोड़ो के सपने को साकार करती है।
- **आर्थिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव:**
  - सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक उपयोग के लिये पर्याप्त जल सुनिश्चित करना।
  - **बुंदेलखंड** में आर्थिक विकास, **पर्यटन** और रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा देना।
  - **सूखा प्रभावित** बुंदेलखंड क्षेत्र में भूजल की कमी को दूर करना।
- **संरक्षण प्रयास:**
  - छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी ज़िलों में चंदेल-युग के विरासत तालाबों को पुनर्स्थापित करने पर ध्यान देना।
  - **पन्ना टाइगर रिज़र्व** में वन्य प्राणियों को निरंतर जल आपूर्ति।
  - उत्तर प्रदेश के बाँदा ज़िले के लिये बाढ़ राहत।

राष्ट्रीय नदी जोड़ प्राधिकरण

- राष्ट्रीय **स्तर पर नदियों को जोड़ने (ILR) का** विचार यह है कि नदियों को आपस में जोड़ा जाना चाहिये, ताकि **जल की कमी की समस्या को दूर करने के लिये अधिशेष नदियों और क्षेत्रों से जल को कमी वाले क्षेत्रों और नदियों में स्थानांतरित किया जा सके।**
- इसके परिणामस्वरूप वर्ष 1982 में **राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी (NWDA)** की स्थापना हुई।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pm-laid-foundation-stone-of-ken-betwa-project